

जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965



संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र
कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी



संस्कृतक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी



www.hamarawatan.com

FOLLOW US:-

Hamarawatan

Hamarawatan65

Hamarawatan3



Hamarawatan

वर्ष- 58

अंक-2

जयपुर, सोमवार, 10 जनवरी, 2022

वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.)

पृष्ठ संख्या 4

छोटे बच्चों का वैक्सीनेशन जल्द शुरू हो, हर आयु का को लगे बूस्टर डोज- मुख्यमंत्री

जयपुर (हमारा वतन) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यह सावित हो गया है कि कोविड से बचाव के लिए वैक्सीनेशन सबसे कारोबार उपर्युक्त है। ?से में दूर आयु का को वैक्सीनेशन होना बेहद जरूरी है। दुनिया के कई मुद्दों में छोटे बच्चों का टीकाकरण किया जा रहा है। इसे देखते हुए केन्द्र सरकार भारत में भी छोटे बच्चों का वैक्सीनेशन जल्द प्रारंभ करेंगे। बूस्टर डोज का लाभ बढ़ावा देंगे। बौद्धिक हर आयु वर्ग में को-मोर्चाबंद रोग पाए जाते हैं। गहलोत मुख्यमंत्री निवास से बीसी के माध्यम से कोविड वैक्सीनेशन तथा कोविड की सामीक्षा वैक्स को संवेदित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। देश में बच्चों के एक बड़ी आवादी है। उनका टीकाकरण आवश्यक रूप से होना चाहिए और उनके स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि एक निर्धारित

समय के बाद वैक्सीन का असर कम होने लगता है तथा सभी आयु वर्ग में डायबिटी, हाइपरेशन, वीपी, हार्ट से संबंधित सर्वज्ञता (को-मोर्चाबंद) के रोगी पाए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैक्सीनर कर हर बूस्टर डोज का लाभ बढ़ावा देंगे। बौद्धिक हर आयु वर्ग में को-मोर्चाबंद रोग पाए जाते हैं। गहलोत ने कहा कि राजस्थान वैक्सीनेशन के मामले में देश में मॉडल स्टेट है। प्रदेश में अब तक 18 वर्ष से अधिक के 92 प्रतिशत से अधिक लोगों को वैक्सीन की पहली तरफ कारोबार 78 प्रतिशत लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। किशोर एवं किशोरियों का टीकाकरण भी पूरी मस्तैरी से किया जा रहा है। मात्र 4 दिन में ही 15 से 18 वर्ष से अधिक किशोर एवं किशोरियों को वैक्सीन लगाया गया है।



गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो लोग जागरूकता के अभाव में अब तक वैक्सीनेशन से वंचित रह गए हैं।

उनका वैक्सीनेशन कर शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करेंगे मुख्यमंत्री ने कहा कि मत्रिपरिषद् के सदस्यों से लेकर पंचायत स्तर के सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कम-चारी एवं स्वयं सेवी संस्थाएं लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करेंगे साथ ही, कोविड प्रोटोकॉल की पालना के लिए लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि दूसरी लहर के दौरान संक्रमित हुए लोगों में पोस्ट-कोविड की जटिलताएं देखने को मिलती हैं। कई लोगों में आज तक इसका असर दिख रहा है। ओमकर्णन से दुष्प्रभावों को लेकर वे हमें सचेत रहने की आवश्यकता है।

श्री राजपूत सभा चौमूं ने किया नाथाजी जयंती पर रक्तदान शिविर एवं वीरांगना सम्मान समारोह



चौमूं विलय उप अध्यक्ष राजेंद्र सिंह निर्माण, मोरीजा सरपंच मंगल चंद, सैनी, बुधाराज नाथाजी, शेखावत, नेतृता मंजु चौलान, चंद्रेश, व्रित्ति, गोपी, गोपी शेखावत, हनुमत सिंह रायेंद्र, सुरुली शर्मा, कर्णल लाल सैनी (गोसकर), वीर शहीद रोहितश लाल की माताजी शीरो देवी लाला, वीरांगना मोहन करवर, प्रियंका कंवर, मोरीज गढ़ की माजीसा कमला कंवर आदि ने शिरकत की।

सभा अध्यक्ष रिटायर्ड कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथाजी ने बताया कि कार्यक्रम में 65 यूनिट ब्लड एकेंट्रित हुआ। बुधजन, वीरांगनाओं, सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं समाज के विष्णु जनों का सम्मान किया गया। रक्त दाताओं को प्रशंसित पन, प्रतीक चिह्न व हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही एनसीटी कैडेंस को भी प्रायाण पन व प्रशंसित पन देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को जीने के लिए उन्होंने अपने पेशेस के साथ सभी कलाइडोगों को घार किया। अपने देश की सेवा करने का जुनून बचपन से है। इसी जुनून के साथ अपने लाले ब्लूटी पेंजेंट में जीने की आशा करती हैं।

जाग्रति हॉस्पिटल के रक्तदान शिविर में 229 यूनिट रक्त दुसाद ब्लड



जयपुर (हमारा वतन) मोरीजा रोड रित्यत जाग्रति हॉस्पिटल और ग्राम सेवा संस्था द्वारा 15 वें स्वीच्छक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। जिसकी बीदलात 229 यूनिट रक्त दुसाद ब्लड

बैंक के द्वारा एकत्रित किया गया। हॉस्पिटल निदेशक डॉक्टर हायरलेव सैनी ने बताया कि सभी रक्तदानाओं को हेलमेट, मफल और सर्विंगस्ट देकर सम्मानित किया गया। रक्तदानाओं की हैमोलान अफालाई के लिए चौमूं विधायक रामलाल शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवाका, पॉडिट रिंबंड आचार्य, संस्था अध्यक्ष बालूलाल पुजारी, साई रमेश सरपंच मंगल चंद सैनी, फेलेपुरा पूर्व सरपंच



लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कर्चौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं? तो हमसे मिलें!



सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी



निदेशक
डॉ. धर्मराज सिंह लोनिया

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख!

संपर्क - 9785438901, 8949138008

फ्री
परामर्श

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

भाभीजी घर पर हैं: सौम्या टंडन ने शो छोड़ने को लेकर तोड़ी चुप्पी? बताया क्या थी असली वजह

टीवी शो भाभीजी घर पर हैं फेम एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने शो छोड़ने के बारे में पहली बार खुलास जबाब दिया है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा कि जाहिर तौर पर ये 5 साल का एक बहुत खुलासा सफर रहा है और इस दौरान उन्होंने बहुत से अच्छे दोस्त बनाए हैं। सौम्या ने बताया कि वह असल में और भी कई कामल की जींजों पर हाथ आजमाना चाहती थी। वो ने कहा कि वह खुबु को एक चिकित्सा एक्ट्रेस मानती हैं। उनका कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि हर रोज उन्हें स्क्रीन पर दिखने की ज़रूरत है।

बताया क्यों कहा शो को अलविदा-मालूम हो कि सौम्या टंडन ने शो को अलविदा कह दिया था। उनके शो छोड़ने की वजह को लेकर कई तह के कवास लगाए गए। लेकिन अब एक्ट्रेस ने द इंडियन एक्सप्रेस के साथ बताया मैं उस वजह का खुलासा कर दिया है जिसके बारे में इस जाहिरत उन्हें इस मशहूर टीवी शो को अलविदा कहना का फैसला दिया।

घर-घर में मशहूर हो गई थीं सौम्या-सौम्या टंडन इस शो में अनीता भाभी (गोरो मैम) का किरदार निभाया करती थीं। अनेंद्र दमदार काम के चलते सौम्या टंडन घर-घर में विभूति नारायण की पौत्री के तौर पर लोकप्रिय हो गई थी। लेके वक्त के बाद अब उन्होंने शो छोड़ने के कारण का खुलासा कर दिया है। सौम्या ने बताया कि शो छोड़ने को लेकर उनके बारे में कई तह के आर्टिकल लिखे गए थे जिनमें पहकर उन्हें बुरा लगा।

तब क्यों चुप रही थीं सौम्या टंडन?

गोरतलव है कि शो में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने ऐसे बहुत साथ मन्युटन के बाद शो छोड़ दिया था। यही बजह थी कि सौम्या टंडन को शो छोड़ने के कारण का खुलासा कर दिया है। सौम्या ने बताया कि शो छोड़ने को लेकर उनके बारे में कई तह के कारण इस्टेम्स ने कहा कि उन्हें उस तक इस मशहूर टीवी शो को अलविदा कहना का फैसला दिया।

उर्फ़ जावेद ने स्माइल करने से किया मना तो हुई ट्रोल, यूजर ने कहा- 'मुस्कान ही नहीं कपड़े भी मैच नहीं होते'

उर्फ़ जावेद अपने अंतर्रांगी फैशन के चलते भले ही ट्रोल होते हैं लेकिन वह इस वजह से सुखियों में भी खूब रहती है। वह अपने कानों के साथ प्रयोग करती होती हैं और बहुत बार उन्हें खुद ही डिजाइन करती है। एक बार पिर से एक्ट्रेस के समान आई और पोंज दिया। इस बार उन्होंने ब्लेंक कलाका का काटआउट थाई-हाई स्लिट गाउन पहना था। इसके ऊपर उन्होंने गें करते का जैकेट लिया हुआ था। अपने इस लुक के साथ उन्होंने क्लाइंट हेल्स मैटिंग किया और वालों को खुला रखा। उन्होंने का वीडियो सामने आते ही युजर्स उनके कपड़ों को लेकर एक बार पिर से कमेंट्स करने लगे उनकी कैमरे के सामने अन्ना-अन्ना अदाज में पोंज दे रही होती हैं तो उन्होंने उनसे स्माइल के लिए कहा है तो उन्होंने कहती हैं, 'इस लुक के साथ स्माइल नहीं जायगी।' उर्फ़ की इसी बात पर एक यूजर कहते हैं, 'केवल स्माइल ही नहीं कपड़े भी इस तुक के साथ नहीं जाते हैं।'



कार्तिक आर्यन से पूछा गया उनका बैंक बैलेंस, एक्टर बोले- मम्मी को पता है, सच बोल रहा हूं

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन के करियर का ग्राफ काफी तेजी से ऊपर गया है, एक्टर ने अपने अभी तक के करियर में ना के बराबर फॉलोअॅफ मिलें दी है। उनकी आर्टिकल फिल्में दी हैं। उनकी कार्तिक धीरे-धीरे करके कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ाते जा रहे हैं, लेकिन हाल ही में जब एक इंटरव्यू में उनसे उनका बैंक बैलेंस पूछा गया तो कार्तिक ने हंसते हुए बात टाली और कहा कि उन्हें इस बार में कोई आइंडिया नहीं है, कार्तिक आर्यन ने कहा कि इस बार में उनकी मम्मी को पढ़ा गया। मम्मी को पढ़ते हैं कार्तिक का बैंक बैलेंस-कार्तिक आर्यन से एजेंडा आज तक में जब पूछा गया कि उनका बैंक बैलेंस कितना है तो एक्टर ने जबाब दिया, 'मुझ नहीं पाता। असल में ऐसी को पढ़ा गया है, सच बोल रहा हूं।' इसके अलावा कार्तिक अपने से उनके खर्चों और इनवेस्टमेंट के बारे में भी पूछा गया। कार्तिक ने बताया कि वह सबसे ज्यादा खर्च उनके कानों पर करते हैं। खदू को बताया सबसे काबिल बेचलर-एक्टर से इसी इंटरव्यू में उनके रिलेशनशिप स्टार्स को लेकर साथल किया गया जिसके जबाब में उन्होंने कहा कि वह अभी सिगल हैं।



Agave syrup : वेट लॉस के साथ बीगन भी रहना है, तो ये हो सकता है आपका हेल्दी विकल्प

अगर आपको मीठा बहुत पसंद है और आप बीगन रहना चाहते हैं, तो हम आपके लिए एक प्लाट ब्रेस्ट हेल्दी विकल्प ले आए हैं। जी हाँ, हम इसके नाम ही अंगोव मिटाव में जीवनी रूप से आया जाता है। जी हाँ, आपको जीवन में हेल्दी मिटाव जाने हैं कि शहद मधुमक्खियों का एक उत्तम रहा है। लेकिन ऑर्जेनिक अंगोव सिरप को पीढ़ी से काटा जाता है, जो मैसिस्को के जीवन जीवन में स्थायी रूप से आया जाता है। यह प्राकृतिक होने के साथ



जानते हैं कि शहद मधुमक्खियों का एक उत्तम रहा है। लेकिन ऑर्जेनिक अंगोव सिरप को पीढ़ी से काटा जाता है, जो मैसिस्को के जीवन जीवन में स्थायी रूप से आया जाता है। यह प्राकृतिक होने के साथ बीगन भी है।

2. लो-ग्लाइसेमिक स्वीटार-अंगोव का कम लाइट्सिंप क्लॉटर-अंगोव एक कम इन्डाइसेमिक स्वीटार है। इसका अर्थ है कि इसके उपयोग से रक्त शर्करा में अचानक बढ़ि नहीं होती है। इसमें प्राकृतिक फाइबर, जो फस्टवेटन के रूप में जाना जाता है, भी शामिल है। अध्ययनों ने ये काम के लिए गोल्डन डाइट का पालन करते हैं, तो जीव थोड़ी और मुश्किल हो जाती है। अगर आप मेपल सिरप, शहद और ब्राउन शुगर से बोर हो चुके हैं, तो अंगोव सिरप भी ट्रॉप करने का समय है। जिनपर क्या है वह सिरप?

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, तो हम बता दें कि यह प्राकृतिक स्वीटर भी इसी पौधे से मिलता है। इसके प्रतिवर्ष से परिचित नहीं होना चाहिए। जी हाँ, उक्तोंका जीवन का राजा हुआ जाता है और पूरे सर्दी के मौसम खूब पसंद किया जाता है। यानुकूल के अंगोव के नाम से जाना जाता है और यह एक अंगोव का इन्सेप्ट है। आयुर्वेद में अमरुद के फल को कच्चा और पका हुआ दोनों प्रकार से उपयोग में लाया जाता है। उक्तके बाद भी अमरुद से जुड़े कई मिथ लोगों को भ्रमित करते रहे हैं। ऐसे काम के लिए अमरुद का बायो-प्रैप्रियता देता है। यह बायो-प्रैप्रियता का डर साता है।

बींचे पैमाने के किसानों का सम्पर्क करता है

आपने उक्तोंका स्टार्ट के संदर्भ में अंगोव पौधे के बारे में सुना होगा। पौधे के रस को फॉर्मट करने के लिए वह आपका फैब्रिटर डिंग तैयार होता है। लेकिन अगर आप एक्सप्रेस से परिचित नहीं हैं, त

